SEEDLING
THE WORLD SCHOOL

अभ्यास पत्रक सत्र 2019–20

Term-III

कक्षा – III

विषय – हिन्दी (पेपर–I)

अभ्यास – पत्रक

M.M: 15

खण्ड – (क)

अपठित गद्यांश [3]

केशव दस साल का था और अभी अपना काम सीख ही रहा था। पिता के एक बार करके दिखा देने पर वह सीधी लकीरों वाले और घुमावदार डिजाइन उकेर सकता था। अब तक उसने नक्काशी का जो भी काम किया था उनमें से इन घंटियों को बनाना ही सबसे ज्यादा मुश्किल था। केशव जानता था कि एक दिन तो ऐसा आएगा जब वह बहुत बारीक जालियाँ, महीन–नफ़ीस, बेल–बूटे, कमल के फूल, लहराते हुए साँप और इठलाकर चलते हुए घोड़े ये सब पत्थर पर उकेर पाएगा। ठीक उसी तरह जैसे उसके पिता बनाते है। कई साल पहले, जब वह पैदा भी नहीं हुआ था, उसके माता–पिता गुजरात से आगरा आकर बस गए थे। बादशाह अकबर उस वक्त आगरे का किला बनवा रहे थे। केशव के पिता को यहीं काम मिल गया। केशव का जन्म भी आगरे में ही हुआ था।

उपर्युक्त गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

प्र1. केशव जो भी काम करता था उनमें से सबसे ज्यादा मुश्किल क्या बनाना था ? [1]

.....

.....

.....

प्र2. केशव के मात–पिता कहाँ आकर बस गए थे ? [1]

.....

.....

.....

प्र3. उस वक्त आगरे का किला कौन बनवा रहें थे ? [1]

.....

.....

.....

खण्ड – (ख) [3]

प्र4. गद्यांश में से ढूँढकर लिंग बदलकर लिखिए– [1]

1) माता – ..... 2) घोड़ी – .....

प्र5. गद्यांश में से दो विशेषण शब्द छाँटकर लिखिए– [1]

1) ..... 2).....

प्र6. गद्यांश में से दो सर्वनाम शब्द छाँटकर लिखिए– [1]

1) ..... 2).....

खण्ड – (ग) [3]

प्र7. अपने मित्र को जीवन में हमेशा केशव की तरह मेंहनत करते रहने के लिए एक पत्र लिखे (अपठित गद्यांश के आधार पर) [4]

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र४. अपने व अपनी अध्यापिका के मध्य साफ–सफाई क लिए हुई बातचीत (वार्ता) को संवाद के रूप में लिखिए–

अध्यापिकाः– छात्रों आज हम कक्षा में अपने आस–पड़ोस की सफ़ाई के बारे में चर्चा करेंगे।

छात्र .....

.....

अध्यापिका .....

.....

छात्र .....

.....

अध्यापिका .....

.....

छात्र .....

.....

अध्यापिका .....

.....

छात्र .....

.....

SEEDLING
THE WORLD SCHOOL

अभ्यास पत्रक सत्र 2019–20

Term-III

कक्षा – III

विषय – हिन्दी (पेपर–II)

अभ्यास – पत्रक

M.M: 15

खण्ड – (क)

अपठित गद्यांश [6]

बात बहुत पुरानी नहीं है। एक लड़का रात को लालटेन लेकर रेल की पटरी के साथ–साथ चला जा रहा था। अचानक उसकी नज़र दूर पटरी पर पड़ी। पटरी टूटी हुई थी। कई फुट पटरी का टुकड़ा टूटा पड़ा था। कुछ ही क्षणों में गाड़ी आने वाली थी। पुलिस की चौकी बहुत दूर थी। ''गाड़ी आएगी, पटरी से गिरेगी, सैकड़ों यात्री काल के ग्रास बनेंगे और बहुत से घायल हो जाएँगे। लाखों रूपयों की सम्पत्ति नष्ट हो जायेगी'' – यह सोचकर उसका दिल काँप उठा। उसने बचाव का उपाय सोचा। वह लालटेन लेकर पटरी के बीचों–बीच चल पड़ा। उसे रास्ते के अँधेरे को चीरती हुई रेलगाड़ी आती दिखाई दी।

उपर्युक्त गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

प्र1. आप रात के अंधेरे में लालटेन के स्थान पर क्या प्रयोग में लेते है? [1]

.....

.....

.....

प्र2. क्या आपने कभी रेल से यात्रा की है? [1]

.....

.....

.....

प्र3. यदि गाड़ी टूटी पटरी पर चलती तो क्या होता? [1]

.....

.....

.....

प्र4. यदि आप उस लड़के के स्थान पर होते तो क्या करते ? [1]

.....

.....

.....

प्र5. लड़के के पटरी पर दौड़ने से क्या हुआ ? [1]

.....

.....

.....

प्र6. इस कहानी से आपको क्या सीख मिलती है ? [1]

.....

.....

.....

प्र7. 'साहस' पर आधारित एक कहानी लिखिए ? [9]

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

शिक्षा .....

.....

.....

.....